# प्रेस विज्ञप्ति

# हिन्दुस्तान कॉलेज में गणतंत्र दिवस पर 'अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में स्वदेशीकरण का योगदान' विषय पर गोष्ठी

## सही बात को डटकर बोलो, जो जहाँ है वहीं से बोलो– के. एन. गोविन्दाचार्य

विगत दिवस शारदा ग्रुप के प्रतिष्ठित संस्थान हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ साइन्स एण्ड टेक्नोलॉजी में 69 वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर 'अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में स्वदेशीकरण का योगदान' विषय पर एक विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ एवं भाजपा के पूर्व अभिन्न अंग रहे श्री के.एन. गोविन्दाचार्य एवं बीबीसी पत्रकार डॉ. सर्वप्रिया सांगवान ने संस्थान के प्रबुद्ध वर्ग से सीधा संवाद कर उनकी अर्थव्यवस्था पर अनेक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जिज्ञासाओं को शांत किया।

संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव कुमार उपाध्याय ने अपने संक्षिप्त एवं स्वागत उदबोधन में सभी को अपना–अपना संविधान सुनिश्चित करने एवं तदनुसार कार्यान्वित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने संस्थान के छात्र–छात्राओं को उनका अपना आदर्श संविधान जिसके तहत उन्हें निरतंर स्वस्थ रहकर शिक्षकों के मार्गदर्शन में अध्ययन कर नई ऊँचाईयों को छू लेने के लिए प्रेरित कर लागू करने के लिए कहा। वहीं शिक्षकों को उनके अपने संविधान जिसमें निरंतर स्वस्थ रहकर छात्र–छात्राओं को उचित एवं उत्कृष्ट मार्गदर्शन कर उन्हें जीवन में सफल बनाने जैसा अमन में लाने के लिए सुझाव दिया। कहने का तात्पर्य यह था कि यदि हम में से प्रत्येक अपने निजी संविधान बनाकर लागू कर अपनी जिम्मेदारियाँ निभायें तो आने

वाले कल का भविष्य सुखमय एवं देश के विकास में अहम योगदान साबित होगा।

संस्थान के अधिशासी निदेशक प्रो. वी. के. शर्मा ने कहा कि देश सेवा के लिए स्वस्थ रहना भी अति आवश्यक है क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है। उन्होंने छात्र–छात्राओं को तन–मन से देश सेवा को तत्पर रहने के लिए प्रेरित किया।

शारदा ग्रुप के कार्यकारी अध्यक्ष श्री प्रदीप महथा ने संस्थान के शिक्षकों को अथक परिश्रम कर मेधावी एवं सफल छात्र बनाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि शिक्षक एक आदर्श मार्गदर्शक की तरह संस्थान के छात्र–छात्राओं को देश हित एवं उसके विकास में साझेदारी के लिए प्रेरित कर सकता है। वहीं उपस्थित छात्र–छात्राओं को भी देश के विकास में अहम योगदान की भागीदारी करने के लिए प्रेरित किया।

समारोह के मुख्य अतिथि श्री के.एन.गोविन्दाचार्य ने अपने अध्यक्षीय भाषण में 69 वें गणतंत्र दिवस की उपस्थित समूह को शुभकामनायें दी तथा भूत से बोझा उतारकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुये भारतीय परिप्रेक्ष्य में जैसी दृष्टि वैसी वृष्टि अर्थात नजरिया बदले तो बदलेगा नजारा पर जोर दिया। उन्होंने तमाम देशों के आर्थिक ढांचों को गणतंत्र दिवस समारोह में साझा किया तथा संस्थान के प्रबुद्ध वर्ग से सीधा संवाद कर उनकी अनेक जिज्ञासाओं को शांत किया।

बॉयोटेक विभाग की सहायक आचार्या श्रीमती स्मृति सिंह ने अपनी जिज्ञासा अंतर्राष्ट्रीय बाजार में स्वदेशी पर अभियंताओं के मापदंडों पर पाठ्यक्रम का जुड़ाव न्यायिक प्रक्रिया से जोड़ने का सुझाव दिया।

इलैक्ट्रीकल एण्ड इलैक्ट्रोनिक्स विभाग के सहायक आचार्य श्री विनीत कुमार के अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में भारत के सेक्टर पर बताया कि आई.टी. , आयुर्वेद एवं, अध्यात्म कुछ खास क्षेत्र हैं जिनमें भारत सारे विश्व में अग्रणी हैं बस हमें अपने ऊपर भरोसा करना हैं। दुनिया को आज भारत की आवश्यकता है। जमीन,जल,जंगल आदि संसाधन भारत का सबसे बड़ा

वैभव है। बस भारत को भारत की नजरिये से देखना है, यूरोप के नजरिये से नहीं।

कैमीकल अभियांत्रिकी विभाग के सहायक आचार्य श्री अवनीश वर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में भारतीयकरण से लाभ पर गोविन्दाचार्य जी ने कहा कि भारत एक विभिन्न जलवायु, पर्यावरण युक्त कृषि प्रधान देश है। शेयर बाजार सूचकांक कभी इसकी विकासशीलता का मापदंड नहीं हो सकता। भारत के प्रत्येक बच्चे को आधा किलो दूध, आधा किलो सब्जी और आधा किलो फल मिलने की सुनिश्चितता भारत को विकसित, सुखी एवं सम्पन्न बनायेगा।

इनफॉरेमेशन टेक्नोलॉजी के सहायक आचार्य श्री अजय पाराशर के भारतीय रेल द्वारा पटरियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय निविदायें आमंत्रित करने पर भारतीय स्पात के दबदबे को चुनौती एवं स्वदेशीकरण को नुकसान पहुँचाने जैसी जिज्ञासा पर कहा कि गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाना चाहिए स्वदेशीकरण की आड में।

यांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष श्री पुनीत मंगला ने स्वदेशीकरण की बात करते हुये एफ.डी.आई. को न्यौता जैसे विरोधाभास पर श्री गोविन्दाचार्य जी ने कहा यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के नियमों के अधीन मसले हैं परन्तु निर्यात एवं आयात में एक संतुलन बनाये रखना हमारे देश के नेताओं का काम है जिसपर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कोई परोपकार करने के उद्देश्य से तो आ नहीं रहा है बल्कि लाभांश पर नजर होती है।

ऑटोमोबाइल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वाई.सी.धोटे के सवाल मोदी जी की कार्यशैली से सहमति पर कहा कि हम सब की जिम्मेदारियाँ अलग–अलग हैं प्रत्येक व्यक्ति अपनी जिम्मेदारियों के हिसाब से काम करता है। सहमति एवं असहमति के लिए भारतीय संविधान में प्रत्येक स्वतंत्रता है।

कम्प्यूटर साइंस विभाग के सहायक आचार्य श्री लॉ कुमार की जिज्ञासा स्वदेशीकरण में चुनौतियों पर सतत विकास एवं प्रबंधन ही स्वदेशीकरण को

अपने गंतव्य पर ले जायेगा तथा हम सबको चाहत से देशी जरूरत से स्वदेशी परन्तु मजबूरी में ही विदेशी होना चाहिए। युवाओं के खुमार पर कहा कि हम मैं से प्रत्येक भारतीय को रोटी, रिहायस एवं रिश्ता सुधारना होगा और सभी युवा सही बात को डटकर बोलें और जो जहाँ हैं वहीं से बोलें।

संस्थान के डीन फैकल्टी डॉ. हरेन्द्र सिंह ने गोष्ठी के सफल संचालन के उपरांत सारांशित करते हुये कहा कि स्वदेशीकरण एक चिंतन नहीं बल्कि जीवन शैली है तथा धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस अवसर पर शारदा ग्रुप के कॉरपोरेट आर एण्ड डी डॉ. डी.जी. रॉय चौधरी, एच आर निदेशक श्री केजीएस चौहान, टी एण्ड पी निदेशक सुदीप्तो चौधरी, संस्थान के डीन अकेडमिक डॉ. पी. एस. जोसन, डीन स्टूडेन्ट वेलफेयर श्री संदीप अग्रवाल, प्रो. एम.एस. गौड, डॉ. संजय जैन, डॉ. ममता शर्मा, डॉ. आर.के. तिवारी, डॉ. वी.के. गुप्ता, डॉ. चन्द्रनाथ त्रिपाठी, डॉ. वाई. सी. धोते, श्री प्रमोद कुमार, श्री अनुराग वाजपेयी, श्री मुनीश खन्ना, श्री शंकर ठाकर, श्रीमती रिचा कपूर, डॉ. राजेश कहरवार, डॉ सुरुचि, डॉ. पी. के. शर्मा, श्री मनीष गुप्ता, कुलसचिव श्री ए. एस कपूर, संस्थान के समस्त वार्डन, संस्थान के सभी शिक्षकगण आदि संस्थान के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

**डॉ. पी. के. शर्मा**

**मीडिया प्रभारी**